Ill.mo e Ex.mo Sr.

Aventuro este Officio para noticiar a V. Ex.ª a partida do meu digno Collega o Sr. General Brant, fm. 6, df. rm. ~, 14, or, —, ϕ. 4. or. 6. dl. 8. ⊕. 7. ff. dx, xx. np. 4, 18. xx. gb. 6. 8, ⊥. 5. nl. or. ϑ, lb. 12. ~. 4. 5. ϑ. 44. ⊤. 12. ⊤. ff, 22. ⊥, 1. or. zl. 6. hr. 4. 3. or. nl, hl. 6. ϕ, 62. np. 55, ~. ϑ. §. 5. xx. gb. rp, br. 4. 8, —. 6, ♃. xx. 44. ⊤. 6, 7. gb. ff, ⊕. xx. 55. 6, xz. ⊥. hl. or. ϕ. 7. nr. 6. nl, 22. ff, gr. —. br. ϑ. dl; 22. —. ♃. nr. 6, —, 44. ϑ. ϕ, 3. pl. 7. nl. 5. or. br, ⊤. bz. 8. 7. ϕ. 18, —, zl. 6. gb. 55. ϑ. br. 44. —. 6. 11, ~. 4, or. hr. 18. nl. ⊥. 45. rx. ϕ, 7. 6, 12. gb. §. or. ϕ. —. 22. xx. nl, 6, ~. ϑ. 18. xx, nr. xz. 32. dl. ff. ⊥. rp, or, ~. 4, ϕ. or. ⊕. 5. 7. gb. rp. nl, 7. 5. ⊔. 8. 55. —. br, 3. xx. 9. zl. 4. br. 44. 6. 4. ♃. ⊤, zz. np. 4, hl. 6. 1. + 8. ⊔. 7. dl, §. ϕ. 4. 18. or. 9. ~. ⊥, V. 7. rl. or. ϕ, nr. 6, Λ. 1. —. br. ϑ ⊥, ⊕. 6. gb. xx, br. 7. ff. 11, 3. or. 1. + ff. br, ⊠. 7. rl. 6. nl. or. 44, zl. 6. 55. ⊤. or. ϕ. ⊕. ϑ. —. 4. br, or, pl. 8. gb. rp, 12. hr. ~. 4. gb. hr. ϑ. br. —. ⊕. 7. ff. dx, §. or. zl. 8. ♃. 12. —. ϕ. ϑ. rp. 20. ♃. 6, gb. 4. br. 55. ϕ, ~. ϑ. §. 5. xx. ⊤. 7, pl. or, 6, hr. ff. br. 44. xx, rp. 55. 6, nl. or. ⊕. 6. hr. 62. ⊥. zl. ϑ. nr. 6, pl. 4. ϕ. ~. or. ϑ. ϕ. xx, 22. 7, ⊕. 6. nl. ff. —, ~. or, §. 6. nl. 18. np. db. 7. 5; e parece que ⊥. br. +. 7, hl. or. ⊕. rp, pr. 4, zz. 8. 4, ϑ. ⊔. ♃. 6. ϕ. xx, 7. 44, nr. or. gb. —. ϑ. 44, §. — ϕ. bz. or. 44, deve somente 44. or. ϕ, hl. 8. Λ. 5. ϑ. 3. —, ~. 4. 32. ff. 12. br, nr. 7, br. 8. —,

or. hr. bz. p. 4. ∟. rp, hr. xx, nl. ⅊. ff, 22. —, 76. 7. ⅊. or. ⅊. p.

Não tenho noticias algumas que communicar-lhe da nossa Corte, porque dali não tem chegado ultimamente embarcação alguma.

Deos Guarde a V. Ex.ª Londres em 20 de Maio de 1823

Ill.mo e Ex.mo S.or Antonio Telles da Silva

Manoel Rodrigues Gameiro Pessoa

P. S. Recebi a Carta de V. Ex.ª em datas de 7 do corrente — No dia 30 hei de mudar-me para a = Park Crescent N.º 23 =

E a resolução que tomou elrey fidelissimo de reconhecer por hum diploma seu ao nosso Amo como Imperador do Basil dando a sir Charles Stuart a commissão de entregar ao Imperador o dito diploma e de reclamar algumas concessões que portugal pretende haver do Brasil como são certos favores commerciaes e huma indemnisação pecuniaria

pecuniaria no mesmo diploma he o nosso amo reconhecido herdeiro da coroa de Portugal e para que esta peça de que ignoro as demais partes deve tomar ser publica depois da sua entrega no rio de Janeiro